ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ମୁକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, ସମ୍ବଲପୁର, ଓଡ଼ିଶା
Odisha State Open University, Sambalpur, Odisha
Established by an Act of Government of Odisha.

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय
संबलपुर, ओड़िशा

डिप्लोमा उपाधि कार्यक्रम (डी.एफ.एच.टी)

Diploma in Functional Hindi & Translation

Semester – 02
(D.F.H.T)

सत्रीय कार्य
Assignment

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें]

निर्देश

प्रिय विद्यार्थी ,

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के डिप्लोमा कार्यक्रम में आपका स्वागत हैं ।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा मे सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें, बिना सत्रीय कार्य पूर्ण किए आप सत्रांत परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएंगे। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कुल (सत्रांत परीक्षा + सत्रीय कार्य) मिलकर 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा समय पर सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा ना करने की स्थिति में आपको अगले सत्र में उस नए सत्र और पिछले सत्र का सत्रीय कार्य भी जमा होगा।

सत्रीय कार्य का महत्त्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंको का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 25 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में सहायक साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 25 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 75 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप - रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध डी.एफ.एच.टी कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें।
डी.एफ.एच.टी कार्यक्रम के इस पर्याय (semester) में निर्धारित पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं –

डी.एफ.एच.टी – 5 (DFHT – 5)	: 4 क्रेडिट के लिए 1 प्रश्नपत्र
डी.एफ.एच.टी – 6 (DFHT – 6)	: 4 क्रेडिट के लिए 1 प्रश्नपत्र
डी.एफ.एच.टी – 7 (DFHT – 7)	: 4 क्रेडिट के लिए 1 प्रश्नपत्र

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट कोर्स के लिए एक प्रश्नपत्र होगा और 6 और 8 क्रेडिट कोर्स के लिए दो प्रश्नपत्र होंगे ।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामाग्री को कितना पढ़ा – समझना है और उसका विवेचन – विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की हैं।

सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका कैसे तैयार करेंगे

1. उत्तर के लिए फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर स्पष्ट और साफ़ लिखे।
3. निर्देशों को पढ़कर उसी के अनुसार उत्तर दे।
4. पूछे गए प्रश्नों के आधार पर उत्तर दे, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर से इतर कुछ ना लिखें।

उत्तर पुस्तिका के आवरण पृष्ठ यानि पृष्ठ संख्या - 1 का नमूना नीचे दिया जा रहा हैं -

अनुक्रमांक .....

नाम .....

पता .....

कार्यक्रम का नाम .....

पाठ्यक्रम शीर्षक .....

सत्रीय कार्य कोड .....

अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....

हस्ताक्षर .....

दिनांक .....

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि का विवरण

क्रम सं	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड सं	क्रेडिट	अंतिम तिथि	दिन
1	डी.एफ.एच.टी – 5	अनुवाद का सैद्धान्तिक स्वरूप	1	04	28 फरवरी 2020	रविवार
2	डी.एफ.एच.टी – 6	अनुवाद का प्रयोगिक पक्ष	1		28 फरवरी 2020	रविवार
3	डी.एफ.एच.टी – 7	पत्रकारिता	1		28 फरवरी 2020	रविवार

प्रयोजन मूलक हिंदी और अनुवाद में डिप्लोमा

सत्रीय कार्य – 2

सत्र – 2020 – 21

पाठ्यक्रम का नाम : अनुवाद का सैद्धांतिक स्वरुप

पाठ्यक्रम कोड : डी.एफ.एच.टी – 05

पूर्णांक – 100

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (1x10=10)

(क) भारत में अनुवाद परंपरा कब से चली आ रही है?
(ख) एक भाषा – पाठ में निहित अर्थ को दूसरे भाषा – पाठ में यथावत् व्यक्त करना क्या है?
(ग) अनुवाद के सिद्धांत हमें किस से परिचित कराते है?
(घ) सहज और संप्रेषणीय अनुवाद कैसा कार्य है?
(ङ) अनुवाद कैसी क्रिया है?
(च) अनुवाद की चर्चा करने से पहले किस अवधारणा से परिचित होना आवश्यक है?
(छ) कौन सा उपसर्ग अनुवर्तिता के अर्थ में व्यवहृत होता है?
(ज) 'अनुवचन' किसका पर्याय है?
(झ) सर्वप्रथम अंग्रेजी मे 'translation' शब्द का प्रयोग किसने किया है?
(ञ) 'Target Language' को हिन्दी मे क्या कहते है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

(क) अनुवाद दो भाषाओं के बीच मे कैसा कार्य करती है?

(ख) अनुवाद को अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान की एक शाखा के रूप मे किसने परिभाषित किया है और क्यों ?
(ग) अनुवाद प्रक्रिया में 'विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन को परिभाषित कीजिए।
(घ) कथा अनुवाद के अंतर्गत किसका अनुवाद किया जाता हैं और कैसें?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

(क) अनुवादक के प्रमुख गुण बताते हुए उसपर चर्चा कीजिए।
(ख) 'सफल अनुवादक के पहचान पर लेख लिखिए।
(ग) साहित्यिक विधा अनुवाद के कितने भेद है स्पष्ट कीजिए।
(घ) भोलानाथ तिवारी ने किसे मूलाधारित अनुवाद कहा हैं और क्यों?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)

(क) चाँमस्की के गहन संरचना एवं तल संरचना की व्याख्या करें।
(ख) अनुवाद की सीमाएं पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रयोजन मूलक हिंदी और अनुवाद में डिप्लोमा

सत्रीय कार्य – 2

सत्र – 2020 – 21

पाठ्यक्रम का नाम : अनुवाद का प्रायोगिक पक्ष

पाठ्यक्रम कोड : डी.एफ.एच.टी – 06

पूर्णांक – 100

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (1x10=10)

(क) एक भाषा में कही गई बात को दूसरी भाषा में कहना क्या कहलाता हैं?
(ख) आज की दुनिया में अनुवाद का क्षेत्र कैसा हो गया हैं?
(ग) 'समानार्थक मूल – पाठ सामग्री का स्थानापन्न ही अनुवाद है'। - यह कथन किसने दिया है?
(घ) 'भाषा – प्रयुक्ति' का अँग्रेजी पर्याय क्या होगा?
(ङ) किस भाषा का प्रयोग सरकारी कार्यालयों मे होता हैं?
(च) अदालतों की कार्यवाही प्राय: किस भाषा मे होती हैं?
(छ) प्रशासनिक हिन्दी कैसी होनी चाहिए?
(ज) प्रशासनिक हिन्दी में लक्षणा और व्यंजना का प्रयोग न होकर आमतौर पर किसका प्रयोग होता हैं?
(झ) 'सार लेखा' शब्द का अँग्रेजी अनुवाद क्या होगा?
(ञ) Tridiagonal शब्द का हिन्दी पर्याय क्या होगा?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

(क)प्रशासनिक हिन्दी से क्या आशय है?
(ख)ड्राइडन ने एपिस्तल (Epistle) के अनुवाद की भूमिका में साहित्यिक अनुवाद के कितना भेद स्वीकारे हैं? विस्तार से चर्चा करें।
(ग) कहानी और उपन्यास के बिच कैसा अंतर होता हैं? परिभाषित कीजिए।
(घ) निबंध कितने प्रकार के होते है? परिभाषा के साथ लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

(क)भाषा - प्रयुक्ति की विशेषता सविस्तार लिखिए।
(ख)नाटक का अनुवाद करते समय हमे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और क्यों?
(ग) भाषा प्रयुक्ति की विशिष्टताएं लिखिए।
(घ) 20-20 प्रशासनिक शब्दों का हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करें।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)

(क)प्रयोजनमूलक प्रयुक्ति की सविस्तार व्याख्या करें।
(ख)विधिक अनुवाद के चुनौतियों पर व्विस्तर से चर्चा करें।

प्रयोजन मूलक हिंदी और अनुवाद में डिप्लोमा

सत्रीय कार्य – 2

सत्र – 2020 – 21

पाठ्यक्रम का नाम : पत्रकारिता

पाठ्यक्रम कोड : डी.एफ.एच.टी – 07

पूर्णांक – 100

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (1x10=10)

(क) विज्ञापन ने हमें कैसी संस्कृति से जोड़ दिया है?
(ख) क्या जल्दी में लिखा गया इतिहास होता है?
(ग) 'पत्रकार का काम या व्यवसाय ही पत्रकारिता है'। यह कथन किसमें कहा गया है?
(घ) किस समय के पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति ही था?
(ङ) आधुनिक युग में किसका प्रभाव पत्रकारिता पर खूब पड़ा है?
(च) लोकतंत्र में पत्रकारिता को कौन सा स्तंभ माना गया है?
(छ) पत्रकारिता का कौन सा कार्य लोकतंत्र को स्थापित करता है?
(ज) पूरी स्वतंत्रता के बावजूद पत्रकार पर किसके प्रति जवाबदेही होती है?
(झ) पत्रकारिता में निष्पक्षता के साथ कौन सी बात जुड़ी हुई है?
(ञ) पत्रकारिता में राजनीतिक समाचार के बाद कौन सा समाचार महत्वपूर्ण होता हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

(क) समाचार लेखनक क्या है?
(ख) पत्रकारिता आज के जमाने में सूचना प्रदान करने का सबसे बड़ा क्या बन गया है और कैसें?
(ग) खोजी पत्रकारिता क्या है?
(घ) समाचार लेखन के बुनियादी सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। (10x4=40)

(क) उल्टा पिरामिड शैली की व्याख्या करते हुए समाचार लेखन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू को स्पष्ट कीजिए।
(ख) टेलीविजन पत्रकारिता की व्याख्या कीजिए।
(ग) संसदीय पत्रकारिता की उदारहरण सहित व्याख्या कीजिए।
(घ) समाचार कितने प्रकार के होते हैं? स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)

(क) साक्षात्कार को समझाते हुए उसके प्रकार पर चर्चा करें।
(ख) स्वतंत्रता पूर्व हिंदी के प्रमुख पत्रकारों और उनकी पत्रकारिता पर टिप्पणी कीजिए।